

रजिस्टर्ड नं० ल०-33/एस० एन० 14/91.



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 5 मार्च, 1991/14 फाल्गुन, 1912

हिमाचल प्रदेश सरकार

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय

अधिसूचना

शिमला-4, 4 मार्च, 1991

संख्या 1-6/91-वि०स०.—हिमाचल प्रदेश विधान सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियम, 1973 के नियम 135 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश विनियोग (संख्यांक 2) विधेयक, 1991 (1991 का विधेयक संख्यांक 3) जो

दिनांक 4 मार्च, 1991 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा में पुरःस्थापित हो गया है सर्वसाधारण की सूचनार्थ राजपत्र में प्रकाशित करने हेतु प्रेषित किया जाता है।

लक्ष्मण सिंह,  
सचिव।

1991 का विधेयक संख्यांक 3.

## हिमाचल प्रदेश विनियोग (संख्यांक 2) विधेयक, 1991

(विधान सभा में पुरःस्थापित रूप में)

हिमाचल प्रदेश राज्य की संचित निधि में से, वित्तीय वर्ष 1987-88 में, कतिपय सेवाओं पर, उन सेवाओं के लिए प्राधिकृत या मंजूर की गई रकम से अधिक व्यय की गई रकम को पूरा करने के लिए, कतिपय रकम के विनियोजन को प्राधिकृत करने का उपबन्ध करने के लिए विधेयक।

भारत गणराज्य के बयालीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश विनियोग (संख्यांक 2) अधिनियम, 1991 है।

संक्षिप्त नाम।

2. हिमाचल प्रदेश राज्य की संचित निधि में से अनुसूची के तृतीय स्तम्भ में विनिर्दिष्ट राशियाँ, जिनका योग 20,84,96,927 रुपये (बीस करोड़, चौरासी लाख, छियानवे हजार नौ सौ सत्ताईस रुपये) है, वित्तीय वर्ष 1987-88 के दौरान अनुसूची के द्वितीय स्तम्भ में विनिर्दिष्ट सेवाओं से सम्बन्धित प्रभावों को चुकाने के लिए, उन सेवाओं और उस वर्ष के लिए प्राधिकृत या मंजूर की गई रकम से अधिक व्यय की गई रकम को पूरा करने के लिए संदत्त किए जाने और उपयोजन के लिए प्राधिकृत समझी जाएगी।

हिमाचल प्रदेश राज्य की संचित निधि में से वित्तीय वर्ष 1987-88 के लिए कतिपय व्ययों को पूरा करने के लिए 20,84,96,927 रुपये की और राशि प्राधिकृत करना।

3. इस अधिनियम के अधीन, हिमाचल प्रदेश राज्य की संचित निधि में से संदत्त और उपयोजन के लिए प्राधिकृत समझी जाने वाली राशियाँ, वित्तीय वर्ष, 1987-88 से सम्बन्धित अनुसूची में अभिव्यक्त, सेवाओं और प्रयोजनों के लिए विनियोजित समझी जाएगी।

विनियोग।

## ग्रन्थसूची

(धाराएं 2 और 3 देखें)

1 मांग संख्या	2 सेवाएं और प्रयोजन	3 निम्नलिखित राशियों से अनधिक		
		विधान सभा द्वारा दत्तमत	संचित निधि पर प्रभारित	जोड़
4	सामान्य प्रशासन (राजस्व)	—	30,480	30,480
8	शिक्षा, खेलें तथा कला और संस्कृति (पूँजी)	31,78,239	—	31,78,239
9	चिकित्सा और परिवार कल्याण (राजस्व)	1,91,42,629	—	1,91,42,629
10	लोक निर्माण (पूँजी)	—	6,610	6,610
11	कृषि (राजस्व)	94,55,225	—	94,55,225
14	पशुपालन और दुग्ध विकास (राजस्व)	1,34,297	—	1,34,297
17	सड़कें और पुल (राजस्व)	1,18,81,120	—	1,18,81,120
18	पूर्ति, उद्योग और खनिज (राजस्व)	1,07,25,114	—	1,07,25,114
19	सामाजिक सुरक्षा, कल्याण (पोषाहार सहित)	(पूँजी) 29,61,523	—	29,61,523
		(पूँजी) 14,05,000	—	14,05,000
23	जल और विद्युत विकास (पूँजी)	4,15,15,480	—	4,15,15,480
24	लेखन सामग्री और मुद्रण (पूँजी)	11,572	—	11,572
25	सड़क, जल परिवहन और नगर विमानन	(राजस्व) 6,89,17,724	—	6,89,17,724
		(पूँजी) 3,68,73,731	—	3,68,73,731
28	जलपति, सफाई, आवास और नगर विकास (पूँजी)	—	25,445	25,445
29	वित्त (राजस्व)	22,32,738	—	22,32,738
जोड़		20,84,34,392	62,535	20,84,96,927

**उद्देश्यों और कारणों का कथन**

यह विधेयक, भारत के संविधान के अनुच्छेद 205 के खण्ड (1) के साथ पठित, अनुच्छेद 204 के खण्ड (1) के अनुसरण में, हिमाचल प्रदेश राज्य की संचित निधि में से वित्तीय वर्ष 1987-88 के दौरान अनुदान और विनियोग से अधिक किए गए व्यय को पूरा करने के लिए और अधिक धन के विनियोजन का उपबन्ध करने के लिए पुरःस्थापित है।

शान्ता कुमार,  
मुख्य मन्त्री।

शिमला :

4 मार्च, 1991.

भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन राज्यपाल की सिफारिश  
[वित्त विभाग, फाईल नं० फिन-ए-सी(2) 2/89-II]

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश विनियोग (संख्यांक 2) विधेयक, 1991 की विषय-वस्तु के बारे में सूचित किए जाने के पश्चात्, भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन उक्त विधेयक को विधान सभा में पुरःस्थापित करने और उस पर विचार करने की सिफारिश करते हैं।

## AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Bill No. 3 of 1991.

## THE HIMACHAL PRADESH APPROPRIATION (NO. 2) BILL, 1991

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

## BILL

*to provide for the authorisation of appropriation of certain amount out of the Consolidated Fund of the State of Himachal Pradesh to meet the amount spent on certain services for the financial year, 1987-88 in excess of the amount authorised or granted for those services for that year.*

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Forty-Second Year of the Republic of India as follows:—

Short title.

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Appropriation (No. 2) Act 1991.

Authorisation of a further sum of Rs. 20,84,96,927 out of the Consolidated Fund of the State of Himachal Pradesh to meet certain expenditure for the financial year, 1987-88.

2. From and out of the Consolidated Fund of the State of Himachal Pradesh, the sums specified in column (3) of the Schedule amounting in the aggregate to the sum of Rs. 20,84,96,927 (twenty crores, eighty four lakhs, ninety six thousand, nine hundred and twenty seven rupees) shall be deemed to have been authorised to be paid and applied to meet the amount spent for defraying the charges in respect of the services specified in column (2) of the Schedule during the financial year, 1987-88 in excess of the amount authorised or granted for these services and for that year.

Appropriation.

3. The sums deemed to have been authorised to be paid and applied from and out of the Consolidated Fund of the State of Himachal Pradesh under this Act shall be deemed to have been appropriated for the services and purposes expressed in the Schedule in relation to the financial year, 1987-88.

**THE SCHEDULE**  
(See sections 2 and 3)

1	2	3		
Number of Demand	Services and purposes	Sums not exceeding		
		Voted by the Legislative Assembly	Charged on the Consoli- dated Fund	Total
4	General Administration (Revenue)	—	30,480	30,480
8	Education, Sports and Arts and Culture (Capital)	31,78,239	—	31,78,239
9	Health and Family Welfare (Revenue)	1,91,42,629	—	1,91,42,629
10	Public Works (Capital)	—	6,610	6,610
11	Agriculture (Revenue)	94,55,225	—	94,55,225
14	Animal Husbandry and Dairy Development (Revenue)	1,34,297	—	1,34,297
17	Roads and Bridges (Revenue)	1,18,81,120	—	1,18,81,120
18	Supplies, Industries and Minerals (Revenue) (Capital)	1,07,25,114 29,61,523	— —	1,07,25,114 29,61,523
19	Social Security, Welfare (including Nutrition) (Capital)	14,05,000	—	14,05,000
23	Water and Power Development (Capital)	4,15,15,480	—	4,15,15,480
24	Stationery and Printing (Capital)	11,572	—	11,572
25	Road, Water Transport and Civil Aviation (Revenue) (Capital)	6,89,17,724 3,68,73,733	— —	6,89,17,724 3,68,73,733
28	Water Supply, Sanitation, Housing and Urban Development (Capital)	—	25,445	25,445
29	Finance (Revenue)	22,32,738	—	22,32,738
	Total	20,84,34,392	62,535	20,84,96,927

## STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

This Bill is introduced in pursuance of Clause (1) of Article 204 read with Clause (1) of Article 205 of the Constitution of India to provide for the appropriation from and out of the Consolidated Fund of the State of Himachal Pradesh of the moneys further required to meet the expenditure on account of expenses in excess of grants and appropriations for the financial year, 1987-88.

SHANTA KUMAR,  
*Chief Minister.*

SHIMLA:  
4th March, 1991.

RECOMMENDATIONS OF THE GOVERNOR UNDER ARTICLE 207 OF THE  
CONSTITUTION OF INDIA

[FINANCE DEPARTMENT, FILE NO. FIN. A-C(2)2/89-II.]

The Governor, Himachal Pradesh, having been informed of the subject matter of the Himachal Pradesh Appropriation (No. 2) Bill, 1991 recommends, under Article 207 of the Constitution of India, the introduction and consideration of the aforesaid Bill in the Legislative Assembly.